अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को कुचला, जीजा-साले की मौत

शहडोल, देशबन्धु। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में बीती रात करीब 1 बजे हुए सड़क हादसे में जीजा और साले की मौत हो गई। किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा भैंसहा तिराहे के पास हुआ। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

पुलिस के अनुसार दोनों मृतक विजहा और सेमरा गांव के निवासी थे, वे किसी काम से विजहा से सेमरा जा रहे थे। इस दौरान भैंसहा तिराहे के पास उनकी बाइक को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, हादसे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटनास्थल पर मौजूद एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि दोनों शव सड़क पर पड़े थे और पास में ही एक क्षतिग्रस्त बाइक भी पड़ी थी। जिन्हें देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर जयसिंहनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों की शिनाख्त कर परिजनों को सूचित किया।

पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं, पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी हुई है। आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि वाहन की पहचान की जा सके।

थाना प्रभारी अजय बैगा ने बताया कि, मामले में मर्ग कायम किया गया है। अज्ञात वाहन की तलाश के लिए पुलिस टीम रवाना कर दी गई है। जल्द ही वाहन और चालक का पता लगा लिया जाएगा।

नाले में मिला नवजात, प्राथमिकी उपचार के बाद पाली रेफर, गंभीर

उमरिया, देशबन्धु। जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बड़ा छादा से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां गांव के समीप एक नाले में दो दिन का नवजात बच्चा मिला, जिसे स्थानीय लोगों ने देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने नवजात को 108 एंबुलेंस की मदद से नौरोजाबाद अस्पताल पहुंचाया गया।

जहां, प्राथमिक उपचार बाद डॉक्टरों ने बच्चे की हालत को देखते हुए उसे पाली अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, नवजात बेहद कमजोर था, यहां तक कि रो भी नहीं पा रहा था।

अब पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। आस-पास के क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है और यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिर इस नवजात को नाले में किसने छोड़ा। फिलहाल, पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 317 (नाबालिग को परित्यक्त करने) सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

एनटीपीसी विंध्याचल को मिला प्लैटिनम अवार्ड

सिंगरौली, देशबन्धु। एनटीपीसी विंध्याचल को पर्यावरणीय उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक और गौरव प्राप्त हुआ है। ग्रीन एनवायरो फाउंडेशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में परियोजना को प्लैटिनम अवार्ड से नवाजा गया। यह पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सतत प्रयासों और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया। दिनांक 19 जून 2025 को आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री सुरेश प्रभु ने की।

एनटीपीसी विंध्याचल की ओर से यह पुरस्कार श्री संजय प्रकाश यादव, अपर महाप्रबंधक (ईएमजी) ने ग्रहण किया। यह सम्मान दर्शाता है कि एनटीपीसी विंध्याचल पर्यावरणीय संरक्षण को केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि एक मिशन के रूप में अपनाए हुए है। संयंत्र ने ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ जैव विविधता संरक्षण, जल प्रबंधन, वायु गुणवत्ता सुधार और हरित तकनीकों के उपयोग में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह उपलब्धि न केवल एनटीपीसी विंध्याचल के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे ऊर्जा क्षेत्र के लिए प्रेरणा है कि विकास के साथ पर्यावरण का संतुलन भी बनाए रखा जा सकता है।

सार-समाचार

राइज कॉन्क्लेव 27 जून को, अधिकारियों को सौंपे दायित्व

पन्ना, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यातिथ्य में शुक्रवार, 27 जून को रतलाम में राज्य स्तरीय रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एवं एम्प्लायमेंट (राइज) कॉन्क्लेव होगा। इस क्रम में जिला मुख्यालय पर भी जिला स्तरीय कॉन्क्लेव दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में विभिन्न विभाग की योजनाओं में बैंको के माध्यम से ऋण स्वीकृति पत्रों का वितरण होगा। इसमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, ग्रामीण एवं शहरी आजीविका मिशन, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, टंट्या मामा भील आर्थिक कल्याण योजना, भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक उद्यम योजना, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक स्वरोजगार योजना, पशुपालन एवं डेयरी और मछुआ कल्याण एवं मत्स्य पालन विभाग की योजनाएं शामिल हैं। इस अवसर पर रोजगार मेलों में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए जाएंगे। जिला कलेक्टर ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र को नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा है। साथ ही जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सहित अन्य अधिकारियों को भी आवश्यक दायित्व सौंपे गए हैं।

30 जून की मध्य रात्रि से एक अक्टूबर तक नदियों की रेत खदानें प्रतिबंधित

पन्ना, देशबन्धु। भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की जारी गाइडलाइन अनुसार भारतीय मौसम विज्ञान नागपुर द्वारा मध्यप्रदेश में वर्षा ऋतु के लिए मानसून ऋतु की अवधि 15 जून से 1 अक्टूबर निर्धारित की गई है। राज्य स्तरीय पर्यावरण निर्धारण प्राधिकरण (सिया) द्वारा भी जिला स्तर पर स्थानीय परिस्थितियों के हिसाब से नदियों से रेत खनन पर प्रतिबंध के लिए मानसून की अवधि पुनर्निधारण करने तथा खनिज साधन विभाग के निर्देशानुसार भी जिला कलेक्टर द्वारा मानसून आधारित खदान बंद करने की तिथि घोषित करने का प्रावधान किया गया है। इस क्रम में कलेक्टर सुरेश कुमार द्वारा इस वर्ष भी 30 जून की मध्य रात्रि के पश्चात से 1 अक्टूबर तक मानसून ऋतु की अवधि में जिले में स्थित नदियों की सभी रेत खदानों को पूर्णत: प्रतिबंधित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

छत्रसाल कालेज में निकाली महिला शक्ति दिवस की जागरुकता रैली

पन्ना,देशबन्धु। छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना के प्राचार्य डॉ एसपीएस परमार के संरक्षण में एवं 25 एमपी बटालियन एनसीसी छतरपुर के निर्देशानुसार महिला शक्ति दिवस की जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

इस रैली को महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ पी पी मिश्रा एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एस डी चतुर्वेदी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

यह रैली एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट सिद्धू सिंह एवं कैडेट्स महाविद्यालय के मुख्य भवन से होकर केंद्रीय विद्यालय, भारतीय स्टेट बैंक होते हुए बस स्टैंड तिराहा से महाविद्यालय तक निकाली गई। एनसीसी के गर्ल्स एवं बॉयज कैडेट्स गगनभेदी नारों के साथ महिला शक्ति के सम्मान में पैदल मार्च किया, क्योंकि देश की आधी आबादी महिलाओं की है और हमारे देश की महिलाएं सेना, शिक्षक, वैज्ञानिक, खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपने नाम का लोहा मनवाया है। इस जागरूकता रैली में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट सिद्धू सिंह, डॉ निशांत खरे, धीरेंद्र कुमार एवं हसन रजा उपस्थित रहे साथ ही महाविद्यालय की बड़ी संख्या में एनसीसी के गर्ल्स एवं बॉयज कैडेट्स ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित किया

जैन मंदिर से 68 मीटर दूर शराब दुकान का विरोध, हटाने की मांग

दमोह, देशबन्धु। दमोह में सागर नाका कृषि उपज मंडी के पास स्थित शराब दुकान को लेकर जैन समाज का विरोध जारी है। जैन मंदिर से मात्र 68 मीटर दूर स्थित इस दुकान को हटाने की मांग को लेकर समाज ने कई बार आवेदन और ज्ञापन दिए हैं।

बुधवार को जैन समाज के वरिष्ठ संतोष भारती और अन्य लोगों की उपस्थिति में जिला आबकारी अधिकारी रवींद्र खरे ने अपनी टीम के साथ दुकान और मंदिर के बीच की दूरी की नपाई की। संतोष भारती का आरोप है कि प्रशासन ने जानबूझकर यहां दुकान खोली है।

भारती ने कहा कि नए टेंडर से पहले प्रशासन को मंदिर की मौजूदगी का ध्यान रखना चाहिए था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दुकान में न तो रेट लिस्ट है और न ही स्टॉक की जानकारी। इससे अवैध शराब के कारोबार की आशंका है।

जिला आबकारी अधिकारी खरे ने बताया कि शिकायत के बाद दूरी की नपाई की गई है। वे रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपेंगे। दुकान को यहां रखने या हटाने का अंतिम निर्णय कलेक्टर करेंगे। आसपास के निवासी भी शराब दुकान से होने वाली परेशानियों से त्रस्त हैं।

रिश्वत की दूसरी किश्त लेते पटवारी पकड़ाया

छतपुर में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई नामांतरण के बदले ले रहा था रिश्वत

छतरपुर, देशबन्धु। प्रदेश में रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है, लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला प्रदेश के छतरपुर जिले का है, जहां एक और पटवारी को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ सागर लोकायुक्त की टीम ने पकड़ा है।

छतरपुर जिले के धमोरा हल्का में पदस्थ पटवारी अनिल रूसिया के खिलाफ फरियादी रामप्रसाद कुशवाहा ने 20 जून 2025 को सागर लोकायुक्त में शिकायत की थी। शिकायत में फरियादी ने बताया कि उससे जमीन के नामांतरण के बदले में पटवारी अनिल रूसिया ने 4 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी और सौदा 3500 रुपये में तय हुआ था, जिसमें से 2500 रूपये की पहली किश्त रिश्वत के तौर पर वो पटवारी अनिल रूसिया को दे चुका है।

सागर लोकायुक्त टीम ने शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर फरियादी रामप्रसाद कुशवाहा को रिश्वत के बचे एक हजार रूपये लेकर रिश्वतखोर पटवारी अनिल रूसिया के पास भेजा। जैसे ही रिश्वतखोर पटवारी ने धमोरा गांव में रिश्वत के रुपये लिए तो सादे कपड़ों में मौजूद लोकायुक्त डीएसपी संजय जैन व उनकी टीम ने रिश्वतखोर पटवारी को रंगेहाथों पकड़ लिया।

एनटीपीसी विंध्याचल को मिला राष्ट्रीय विद्युत उत्पादन पर्यावरण उत्कृष्टता पुरस्कार

सिंगरौली, देशबन्धु। एनटीपीसी विंध्याचल को चौथा राष्ट्रीय विद्युत उत्पादन पर्यावरण उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार सस्टेनेबल परफॉर्मेंस श्रेणी में प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत विंध्याचल को इस साल के लिए पर्यावरण उत्कृष्टता की उपाधि प्राप्त हुई।

यह पुरस्कार काउंसिल ऑफ एनवायरो एक्सीलेंस द्वारा प्रदान किया गया, जो एनटीपीसी विंध्याचल की पर्यावरणीय संरक्षण और सतत संचालन में उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देता है।

पुरस्कार समारोह में सीएसआईआर-नीरी (राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान) के निदेशक श्री एस.वी. मोहन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्टेशन की ओर से श्री संजय प्रकाश यादव, अपर महाप्रबंधक (ईएमजी) एवं श्री दिनेश कुमार मीणा, जूनियर इंजीनियर (ईएमजी) ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

यह राष्ट्रीय सम्मान एनटीपीसी विंध्याचल की पर्यावरणीय उत्कृष्टता, सतत

विकास पहलों और स्वच्छ व हरित ऊर्जा में नेतृत्व को दर्शाता है। एनटीपीसी विंध्याचल पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ ऊर्जा क्षेत्र में नई मिसाल कायम कर रहा है।

मां नहीं बन पाई तो जान दे दी

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर के पनागर थाना क्षेत्रांतर्गत शिवाजी वार्ड निवासी महिला ने ब्लेड से गला रेतकर आत्महत्या कर ली। शादी के 20 साल से अधिक का समय गुजर जाने के बावजूद भी महिला मां नहीं बन पा रही थी।

इसके कारण उसकी महिला का मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार शिवाजी वार्ड निवासी 52 वर्षीय बबलू उर्फ मंगल तिवारी तथा पत्नी 46 वर्षीय पार्वती तिवारी का विवाह हुए 20 साल से अधिक का समय हो गया था तथा उनकी कोई संतान नहीं है। पिछले दस वर्षों से उनकी पत्नी पार्वती का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है, जिसका मनोचिकित्सकों व अन्य डॉक्टरों से उपचार चल रहा था।

महिला ने ब्लेड से खुद का गला रेता

पति मंगलवाल की शाम को घूमने चला गया था और रात्रि करीब साढ़े दस बजे वापस लौट था। लौटने पर उसने देखा कि घर में ताला लगा हुआ था, जिस पर उसने पड़ोस में रहने वाली बुआ के घर जाकर पूछताछ की।

बहू ने बताया कि उसकी पत्नी आई थी, लेकिन चली गई। उसके बाद उसने छत व आसपास तलाश किया, लेकिन उसकी पत्नी पार्वती का पता नहीं चला।

इसके बाद बुआ के घर के छत की सीढ़ियों पर पार्वती की चप्पलें नजर आईं। उसने जाकर देखा तो छत पर पार्वती मृत हालत में पड़ी थी और समीप ही ब्लेड पड़ी थी। इसके पूर्व भी महिला ने हाथ की कलाई काटकर आत्महत्या का प्रयास किया था। पुलिस ने मर्ग कायम पर लाश को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवा प्रकरण को विवेचना में लिया है।

लोकतंत्र सेनानी व उनके परिजनों को किया सम्मानित

पन्ना, देशबन्धु। आज स्थानीय लव कुश वाटिका में आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर संविधान के हत्या का काला दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम जी उपस्थित थे, कार्यक्रम की शुरुआत लोकतंत्र सेनानी एवं उनके परिजनों का शाल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा, विधायक पवई प्रहलाद लोधी, पूर्व जिला अध्यक्ष सदानंद गौतम पूर्व जिला अध्यक्ष राम बिहारी चौरसिया जिला पंचायत के उपाध्यक्ष संतोष यादव नगर पालिका अध्यक्ष मीना पांडे कार्यक्रम के संयोजक सुशील त्रिपाठी कार्यक्रम सहसंयोजक कमल लालवानी और प्रदेश के सह मीडिया प्रभारी आशीष तिवारी लोकतन्त्र सैनानी अवध किशोर चौबे, त्रिलोक चंद्र जैन उपस्थित थे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गौतम ने कहा कि आपातकाल की यह घटना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की सबसे दुखद और शर्मनाक घटनाओं में से एक है।

यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था। आपातकाल लगाने का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखने की लालसा में संविधान को रौंदने का कुत्सित प्रयास था। यह वह समय था जब संविधान को ताक पर रखकर व्यक्तिगत सत्ता की रक्षा के लिए पूरे देश को एक तानाशाही शासन के अधीन कर दिया गया था। इसके बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बृजेंद्र मिश्रा ने कहा कि 1970 के दशक की शुरुआत में भारत गंभीर आर्थिक, सामाजिक और

आपातकाल की 50वीं बरसी को भाजपा ने काले दिवस के रूप में मनाया

राजनीतिक संकटों से जूझ रहा था।

बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और असंतोष के कारण सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ रहा था। इंदिरा गांधी की सत्ता को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को उनके निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया और उन्हें छह वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया।

इस फैसले के बाद देश भर में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की मांग तेज हो गई। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में विपक्ष ने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया। इन सबके बीच 25 जून 1975 की रात को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर देश में आपातकाल लागू कर दिया। इंदिरा गांधी ने कैबिनेट को विश्वास में नहीं लिया, आधी रात को राष्ट्रपति से चुपचाप आपातकाल लागू करवाया।

संविधान की हत्या का काला दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सदानंद गौतम ने कहा कि इंद्रा इज़ इंडिया और 'इंडिया इज़ इंदिरा' नारा कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का प्रतीक था। एक व्यक्ति, एक परिवार को देश से बड़ा समझना ही कांग्रेस की वैचारिक विकृति है। आपातकाल की घोषणा के साथ ही भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएँ रातों रात बंधक बना दी गईं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, और न्यायिक संरक्षण जैसे मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए। मीडिया पर कठोर सेंसरशिप लागू कर दी गई। विरोध करने वाले हजारों नेताओं, कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, साहित्यकारों को बिना मुकदमे के जेलों में ठूंस दिया गया। 'इंदिरा इज़ इंडिया और इंडिया इज़ इंदिरा' जैसे नारे लगाने वालों को पुरस्कृत किया गया, जबकि आलोचकों को देशद्रोही बताकर प्रताड़ित किया गया। लोकतंत्र सेनानी श्री अवध किशोर चौबे ने उस समय की स्थिति को बयां करते हैं कहा आपातकाल के इस काले दौर में वामपंथियों ने इंदिरा गांधी का भरपूर समर्थन किया। इसके बदले में उन्हें प्रशासन और शिक्षा के क्षेत्र में ऊँचे पदों पर बिठाया गया। वे इतिहास, संस्कृति और पाठ्यक्रमों में अपने वैचारिक एजेंडे को लागू करने में सफल रहे।